अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 सबकी सुरक्षा जरूरी, बांग्लादेश सरकार हालत पर काबू पाए...
6 हेड कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली को किया डिफेंड...
7 शिवराज की सीट पर 3 दावेदार...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-36 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 15 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

कनाडा से नाराज़ भारत ने अपने उच्चायुक्त वापस बुलाने की घोषणा की, कनाडा ने कहा- हमने निज्जर मामले में सबूत सौंपे

भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का फ़ैसला किया है. इसके साथ ही भारत ने कनाडा के दिल्ली स्थित उच्चायोग को समन भी भेजा है।

सोमवार को भारत ने कनाडा के एक डिप्लोमैटिक कम्युनिकेशन को सिरे से ख़ारिज करते हुए बहुत ही कड़ा जवाब दिया है।

कनाडा ने भारत के साथ साझा किए एक डिप्लोमैटिक कम्युनिकेशन में कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और अन्य भारतीय राजनयिकों पर जून 2023 में खालिस्तान समर्थक एक्टिविस्ट हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में जुड़े होने का आरोप लगाया है।

भारत ने कनाडा के इस रुख़ पर विरोध जताते हुए दिल्ली स्थित उसके मिशन के सीनियर डिप्लोमैट को समन किया है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा में भारतीय उच्चायोग और अन्य राजनयिकों पर बेबुनियाद निशाना अस्वीकार्य है।

सोमवार की शाम भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, ट्रूडो सरकार के रवैए के कारण भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा ख़तरे में है. हमें वर्तमान सरकार में कोई भरोसा नहीं है. इसी को देखते हुए भारत सरकार ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त समेत अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का फ़ैसला किया है. हमने कनाडा को बता दिया है कि ट्रूडो सरकार जिस तरह से भारत के ख़िलाफ़ अलगाववाद और अतिवाद का समर्थन कर रही है, उसके ख़िलाफ़ भारत के पास जवाब देने का अधिकार है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड- गैलेक्सी के बाद सलमान के फार्म हाउस की बढ़ी सिक्योरिटी, अलर्ट पर एंजेंसियां

सलमान खान का फार्म हाउस नवी मुंबई के पनवेल में है. इस फार्म हाउस पर जाने के लिए एक ही सड़क है जो गांव के रास्ते से गुजरती है. किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को देखे जाने पर पुलिस को सूचना देने को कहा गया है. दूसरी बड़ी बात ये कि एजेंसियों को अलर्ट किया गया है वो किसी भी तरह के इनपुट पर नजर रखे. ताकि समय पर एक्शन लिया जा सके।

NCP नेता बाबा सिद्दीकी के हत्याकांड के बाद सनसनी मची हुई है. 12 अक्टूबर को उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई. उनकी मौत की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है. हर कोई इस हमले से शॉक्ड और दुखी है. बॉलीवुड गलियारों में भी मातम पसरा है. अपने अजीज दोस्त को खोकर सलमान खान भी टूट गए हैं. बाबा सिद्दीकी पर हुए हमले के बाद सलमान की सुरक्षा को लेकर नवी मुंबई पुलिस भी अलर्ट हो गई है।

सलमान के फार्म हाउस की बढ़ाई गई सिक्योरिटी

सलमान खान का फार्म हाउस नवी मुंबई के पनवेल में है. इस फार्म हाउस पर जाने के लिए एक ही सड़क है जो गांव के रास्ते से गुजरती है. किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को देखे जाने पर पुलिस को सूचना देने को कहा गया है. दूसरी बड़ी बात ये कि एजेंसियों को अलर्ट किया गया है वो किसी भी तरह के इनपुट पर नजर रखे. ताकि समय पर एक्शन लिया जा सके।

नवी मुंबई पुलिस ने पुष्टि की है कि उन्होंने पनवेल फार्म हाउस की गश्त बढ़ा दी है और अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को भी लगाया गया है जो फार्म हाउस के अंदर और बाहर के भी हिस्से में तैनात रहेंगे. कई जगहों पर नाकाबंदी भी लगाई जा रही है ताकि गाड़ियों को चेकिंग की जा सके. वैसे भी बिश्नोई गैंग दबंग खान के फार्म हाउस की कई बार रेकी करा चुका है. जनवरी 2024 में सलमान के पनवेल स्थित फार्म हाउस में दो लोगों ने जबरन घुसने की कोशिश की थी. लेकिन फार्म हाउस पर उनका हमला कभी कामयाब नहीं हो पाया, हालांकि सलमान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर जरूर फायरिंग हुई है।

जेल में रहकर सलमान को धमका रहा गैंगस्टर

बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान क्यों मचा बवाल? लापरवाही पर SHO और हरदा चौकी इंचार्ज सस्पेंड

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पथराव, आगजनी व गोली चली। गोली चलने से एक कि मौत दो के घायल की अभी सूचना है। अभी सारी प्रतिमाएं रोड पर खड़ी है और तनाव व्याप्त है।

बहराइच- उत्तर प्रदेश के बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा की पथराव होने लगा और आगजनी वह गोली चल गई जिसमें गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो घायल हो गए। अब पूरे मामले में हुई लापरवाही पर थाना अध्यक्ष हरदी और चौकी इंचार्ज महसी को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के महसी में माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है।

नकली दवाओं के खिलाफ भारत सरकार की मुहिम तेज, जानिए क्या है स्वास्थ्य मंत्रालय का प्लान

भारत दवाओं के मामले में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में बनी दवाएं दुनिया के 200 से ज्यादा देशों में भेजी जाती हैं। सरकार की कोशिश है कि लोगों को सस्ती और अच्छी दवाइयां मिलें। इसके लिए सरकार लगातार काम कर रही है।देश में दवाइयों की जांच के लिए 8 लैब हैं और जल्द ही 2 और लैब शुरू होने वाली हैं।

नई दिल्ली- देश में सेफ और क्वॉलिटी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरह से एक्टिव मोड में है। नकली दवाओं के खिलाफ भी सरकार की मुहिम में काफी तेजी आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि देश में सुरक्षित व प्रभावकारी दवाओं, मेडिकल उपकरणों के निर्माण की मंजूरी देने तथा दुनिया के 200 से अधिक देशों को निर्यात करने के लिए मजबूत प्रणालियां तैयार की गई है। लोगों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं मिल सके, इसको लेकर नीतियां तय की जा रही हैं। देश में अभी 8 ड्रग टेस्टिंग लैब्स हैं और इनकी संख्या बढ़ाई जा रही हैं। 2 लैब्स अभी पाइपलाइन में हैं और इनकी संख्या में बढ़ोतरी होगी। इस समय देश में दवा उत्पादों के टॉप 300 ब्रांड पर बार कोड या त्वरित प्रतिक्रिया कोड (क्यूआर कोड) जरूरी किया जा चुका है और इस पॉलिसी को समय- समय पर रिव्यू किया जाता रहेगा।

हरियाणा चुनाव नतीजों ने बदल दी महाराष्ट्र की रणनीति, दिल्ली में बीजेपी और कांग्रेस दोनों दलों का ऐसे जारी है मंथन

नई दिल्ली । महाराष्ट्र व झारखंड को लेकर चुनाव आयोग आज चुनावों को ऐलान कर सकता है। हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव से निपटने के बाद सोमवार को दिल्ली में महाराष्ट्र चुनाव को लेकर अहम बैठकें हुईं, जिसमें कांग्रेस व बीजेपी ने अपने अपने नेताओं के साथ बैठकर आगामी चुनाव को लेकर रणनीति तय की। कल ही महाराष्ट्र के साथ झारखंड व देश के अलग-अलग राज्यों में होने वाले लोकसभा व विधानसभा उपचुनावों की तारीखों का ऐलान भी हो सकता है। इससे पूर्व महाराष्ट्र व झारखंड दोनों ही जगह कैबिनेट की अहम बैठकें हुईं, जिसमें सत्तासीन दलों ने जनहित से जुड़े अहम फैसले लिए। महाराष्ट्र में जहां सोमवार को शिंदे सरकार ने कैबिनेट में मुंबई में टोल टैक्स को लेकर तय किया कि अब सोमवार की आधी रात के बाद से मुंबई आने वाले सभी पांच टोलों पर हल्के वाहनों को टोल फ्री कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार ने फैसला किया है कि मइया सम्मान योजना के तहत महिलाओं को 2500 रुपये महीने दिया जाएगा।

संपादकीय

सबकी सुरक्षा जरूरी, बांग्लादेश सरकार हालत पर काबू पाए

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले और मंदिर से चोरी की घटनाओं के बाद अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है। भारत की चिंता और आपत्ति के बीच बांग्लादेशी सरकार की स्थिरता और परिपक्वता को गंभीरता से परखा जा रहा है। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले और मंदिर से चोरी की खबरों ने एक बार फिर वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मसले को केंद्र में ला दिया है। भारत ने ठीक ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई।

गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्ते का एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है।

यूनुस का पुराना रुख

पिछले अगस्त महीने में छात्र आंदोलन के बेकाबू होने और फिर सत्ता परिवर्तन का कारण बनने के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की घटनाएं हुईं। तब नई सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने हालांकि इन हमलों को रोके जाने का आह्वान किया, लेकिन यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इन घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है। उनका यही रुख अब तक बना हुआ है।

सुनियोजित साजिश के आसार

दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा देने वाली है। जेशोरेश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। पूरे देश में इस तरह की 35 अप्रिय घटनाएं दर्ज हुई हैं। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता।

सत्ता पर पकड़

ध्यान रहे, बांग्लादेश में सरकार के मुख्य कर्ता-धर्ता मोहम्मद यूनुस शुरुआती अस्थिरता से उबर चुके हैं। सत्ता पर उनकी पकड़ काफी हद तक बन चुकी है। इसका अंदाजा इस बात से भी होता है कि जल्द से जल्द चुनाव का वादा करते हुए सत्ता संभालने वाले यूनुस अब कहने लगे हैं कि सुधार का अजेंडा पूरा होने से पहले चुनाव नहीं होंगे।

परिपक्वता की उम्मीद

ऐसी स्थिति में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। वक्त आ गया है कि बांग्लादेश की सरकार जहां-तहां हमले करने और ऊलजलूल बयान देने वाले ऐसे तत्वों को काबू करते हुए यह संदेश दे कि वहां हालात सरकार के नियंत्रण में है और अराजकता का राज नहीं है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

इस्तीफे के दांव के बाद केजरीवाल के नेशनल ड्रीम पर कितना असर डालेंगे हरियाणा के चुनाव नतीजे?

अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा चुनाव के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे का दांव चला था जो फेल साबित हुआ. हरियाणा चुनाव के नतीजे केजरीवाल के नेशनल ड्रीम पर कितना असर डालेंगे?

आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा चुनावों के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे का दांव चला था. शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने जनता की अदालत में जाने की बात कहते हुए दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था. आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में हर सीट पर उम्मीदवार उतारे, सुनीता केजरीवाल समेत स्टार प्रचारकों की फौज भी उतारी लेकिन पार्टी खाली हाथ ही रह गई. खाता खोलना तो दूर, 85 उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा सके. ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि हरियाणा चुनाव के नतीजे केजरीवाल के नेशनल ड्रीम पर कितना असर डालेंग

ये सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि हरियाणा अरविंद केजरीवाल का गृह राज्य है और आम आदमी पार्टी ने हरियाणा का बेटा की ही थीम पर अपना पूरा प्रचार अभियान केंद्रित रखा. खुद अरविंद केजरीवाल भी अपनी हर रैली में किंगमेकर बनने के दावे करते हुए ये कहते नहीं थक रहे थे कि इस बार हरियाणा में आम आदमी पार्टी के बिना सरकार नहीं बनेगी.

केजरीवाल और उनकी पार्टी की फुल स्ट्रेंथ फाइट के बावजूद पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी. दिल्ली से सटे एनसीआर और पंजाब की सीमा से लगते इलाकों में आम आदमी पार्टी को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी और यही उम्मीद सरकार में भागीदारी के दावे का आधार भी थी. केजरीवाल के चेहरे का जादू हरियाणा में नहीं चला और ना ही पार्टी का हरियाणा के बेटे वाला दांव ही. केजरीवाल के लिए यह झटका इसलिए भी बड़ा है क्योंकि हरियाणा उनका गृह राज्य है और दिल्ली-पंजाब, दोनों से ही इसकी सीमाएं लगती हैं जहां आम आदमी पार्टी की सरकार है.

नेशनल ड्रीम पर कितना असर डालेंगे हरियाणा नतीजे

हरियाणा चुनाव के नतीजे केजरीवाल के नेशनल ड्रीम के लिए भी झटका माने जा रहे हैं. इनका कितना और क्या असर होगा? इसे लेकर राजनीतिक विश्लेषक अमिताभ तिवारी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की %पार्टी विथ डिफरेंस% वाली इमेज को धक्का लगा है. इस इमेज को कितना नुकसान पहुंचा है, ये दिल्ली चुनाव के नतीजों से ही पता चल सकेगा. फिलहाल, केजरीवाल के लिए सबसे बड़ा चैलेंज पहले दिल्ली, फिर पंजाब का किला बचाना है. अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के राजनीतिक भविष्य के लिहाज से दिल्ली चुनाव निर्णायक होंगे.

हरियाणा चुनाव नतीजों का संदेश क्या

हरियाणा चुनाव नतीजे देखें तो संदेश साफ है कि कांग्रेस का रिवाइवल केजरीवाल की नेशनल ड्रीम के लिए झटका है. दिल्ली की सियासत में जब आम आदमी पार्टी का उभार हुआ, तब शीला दीक्षित की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ 15 साल की एंटी इनकम्बेंसी थी. यूपीए सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के आरोप और अन्ना हजारे के आंदोलन से भी कांग्रेस के खिलाफ माहौल बना था.

पंजाब चुनाव की बात करें तो उस समय भी कांग्रेस सत्ताधारी दल के रूप में चुनाव मैदान में उतरी थी.कांग्रेस के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी थी और विपक्ष में कोई मजबूत विकल्प नहीं था. दोनों राज्यों में वैक्यूम का लाभ आम आदमी पार्टी को मिला. लेकिन हरियाणा में दो मजबूत विकल्पों की फाइट में केजरीवाल खाली हाथ ही रह गए. हरियाणा के नतीजे अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के लिए दिल्ली चुनाव तक नेशनल ड्रीम की बजाय लोकल प्लान पर काम करने का संदेश भी बताए जा रहे हैं.

लिटमस टेस्ट होंगे दिल्ली चुनाव

कुछ ही महीनों बाद होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के लिए लिटमस टेस्ट की तरह देखे जा रहे हैं. दिल्ली चुनाव में अगर आम आदमी पार्टी सरकार बनाने में सफल रहती है तो केजरीवाल का कद और मजबूत होकर सामने आएगा. यह भ्रष्टाचार के विरोध की बुनियाद पर खड़ी भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी आम आदमी पार्टी के लिए भी संजीवनी की तरह होगा.

केजरीवाल की पार्टी ऐसा कर पाती है कि नहीं, अगर कर पाती है तो यह उभार बाकी के राज्यों में कितना काम आएगा? ये समय बताएगा. गौरतलब है कि हरियाणा चुनाव में आम आदमी पार्टी को कुल मिलाकर 2 लाख 48 हजार 455 वोट मिले थे. वोट शेयर के लिहाज से पार्टी 1.79 फीसदी वोट पाकर आम आदमी पार्टी बसपा से भी पीछे रही थी.

घायल बुजुर्ग की मौत

इन्दौर । दुलीचंद पिता रमाकांत प्रजापत 70 साल निवासी निरंजनपुर की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई। दुलीचंद 5 दिन पहले घर की सीढ़िया से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था।पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

पांच नशेड़ी बंदी

इन्दौर । विजयनगर पुलिस ने गांजा पीते हुए कैलाश पिता मोहनलाल गुर्जर देवेंद्र पिता अनिल भारद्वाज गोपाल पिता किशन लाल सोलंकी और दो अन्य को गिरफ्तार किया है इनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की है सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दो नाबालिक लापता

इन्दौर । पालदा क्षेत्र में रहने वाली किशोरी परिजन को बिना बताए घर से चली गई। इसी प्रकार महेश यादव नंद नगर में रहने वाले सुनील चौहान ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका 14 वर्षीय बेटा राजेश को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया। दोनों मामलों में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया।

चाकू सहित चार बंदी

इन्दौर । रावजी बाजार पुलिस ने धीरज पिता मन्नालाल चौधरी और जितेंद्र पिता हरीश साहू को पकड़ा ।इनके पास से दो चाकू बरामद किए। इसी प्रकार छतरीपुरा पुलिस ने सुरेश मालवी और अशोक पवार को पकड़ा ।इनके पास से भी दो चाकू बरामद किए हैं। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पति पर केस दर्ज

इन्दौर । फरियादी सुशीला खत्री 45 साल निवासी विदुर नगर ने पुलिस को बताया कि पति विजय खत्री ने खाने में देरी होने की बात को लेकर उसके साथ डंडे से मारपीट की जिसमें वह घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी विजय के खिलाफ केस दर्ज किया।

जली महिला की मौत

इन्दौर । लताबाई पति विष्णु प्रसाद परमार 48 साल निवासी सिमरोल की उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक लताबाई तीन दिन पहले घर में जल गई थी। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

गांजा सहित दो धराएं

इन्दौर । हीरानगर पुलिस ने न्यू गोरी नगर में चेकिंग के दौरान बाइक सवार सचिन पिता पन्नालाल कुशवाहा और प्रकाश पिता हेमराज पाल को पकड़ा ।इनके पास से 830 ग्राम गांजा बरामद किया है।दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

युवक को मारा चाकू

इन्दौर । रवि पिता हरीश वैष्णव निवासी तिलक नगर ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले विनोद वर्मा ने गांजा पीने के लिए 100 रुपए मांगे नहीं दिए तो चाकू मारकर फरार हो गया।आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

ई-रिक्शा के कांच फोड़े

इन्दौर । कमला नेहरू कॉलोनी में रहने वाले अजय पिता कांतिलाल पवार ने पुलिस को बताया कि घर के पास उसकी रिक्शा के कांच देर रात अज्ञात बदमाशों ने फोड़ दिए। अजय की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

हंगामा करते पांच धराएं

इन्दौर । बाणगंगा पुलिस ने बीच रोड पर झगड़ा करते हुए महेश पिता रामचंद्र यादव जितेंद्र पिता उमाशंकर शिंदे अशोक पिता केदार साहू और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ धारा 160 के तहत केस दर्ज किया है।

कार के लिए सताया

इन्दौर । पिंकी सेन 28 साल निवासी मल्हारगंज की रिपोर्ट पर पति दीपक सेन सास अंजलि सेन ससुर राजेंद्र सेन के खिलाफ केस दर्ज किया है। पिंकी ने बताया कि उसे मायके से कार लाने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे।

मनचला पकड़ाया

इन्दौर । स्कीम नंबर 71 में रहने वाली किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर रहे संजय पिता ओम प्रकाश प्रजापत को लोगों ने पकड़ा ।और जमकर धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। किशोरी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर युवती को मारे चाकू, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर । जूनी इंदौर क्षेत्र में युवक ने बहन और पिता के सामने युवती पर चाकू से हमला किया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी सानिया पटेल की रिपोर्ट पर पुलिस ने शेरन मंसूरी पिता जफर मंसूरी निवासी गुलजार कॉलोनी के खिलाफ चाकू बाजी की धाराओं में प्रकरण दजी किया है और उसे गिरफ्तार कर लिया है।

सानिया ने बताया कि वह अपने पिता और छोटी बहन करिश्मा पटेल को पीलिया दिखाने के लिए कलाल कोई मस्जिद राव जी बाजार क्षेत्र में गई थी। यहां से वापस वह अपने घर आ रहे थे तभी घर के सामने आरोपी शेरन मंसूरी आया उसने चाकू निकाल कर करिश्मा को डराया और गालियां देने लगा। उसने शराब पीने के लिए रुपए मांगे नहीं देने पर आरोपी ने करिश्मा की पीठ पर चाकू से तीन बार कर दिए। इसके बाद करिश्मा जमीन पर गिर गई। पिता और बहन सानिया ने उसे संभाल। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया इसके बाद मामा नासिर और भाई आदिल को कॉल किया। वह बड़े अस्पताल लेकर गए पुलिस ने बयान के बाद आरोपी शेरन को पकड़ लिया।

इसी प्रकार फरियादी दिलीप पिता चंद्रकांत पवार निवासी राजनगर को पुराने विवाद की बात को लेकर कैलाश पिता अर्जुन गहलोत ने चाकू मार दिया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

बस्तियों में पहुंची पुलिस, नुक्कड़ नाटक, शॉर्ट वीडियो से दिया महिला सुरक्षा का संदेश

अभिमन्यु अभियान - बस-ऑटो पर पोस्टर किए चस्पा, कुरीतियों के खिलाफ शपथ भी

इंदौर। शहर में पुलिस की ओर से चलाए जा रहे 'अभिमन्यु अभियान' के तहत पुलिस टीम स्कूलों और बस्तियों में पहुंची।

पुलिस ने जनसंवाद कर नुक्कड़ नाटक और शॉर्ट वीडियो के जरिए महिला सुरक्षा का संदेश दिया। हमेशा महिलाओं का सम्मान करने और समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ शपथ भी दिलवाई गई। शहर में महिला अपराधों पर अंकुश लगाने और समाज में महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर विशेष जागरूकता अभियान पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा हैं। एडिशनल पुलिस कमिश्नर (अपराध-मुख्यालय) मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस कड़ी में कल पुलिस टीम ने आजाद नगर क्षेत्र की बस्तियों, स्कूल के साथ नौलखा बस स्टैंड पर भी आयोजन किए। टीम ने नौलखा बस स्टैंड पहुंचकर बस ऑपरेटर, ड्राइवर, कंडक्टर, यात्रियों को महिला सुरक्षा एवं सम्मान के लिए जागरूक किया।बस ऑपरेटर संघ और अन्य बस संचालकों के सहयोग से महिला सुरक्षा को लेकर शॉर्ट वीडियो प्रदर्शित किए गए। सभी को महिलाओं की सुरक्षा का ध्यान रखने और हमेशा सम्मान को सर्वोपरि रखने के लिए जागरूक किया गया।टीम ने घरेलू कामकाजी संगठन के सहयोग से सेंट राफेल स्कूल और आजाद नगर क्षेत्र में मूसाखेड़ी, शांति नगर, अमन नगर आदि बस्तियों में बालक-बालिकाओं और महिलाओं के बीच पहुंचकर संवाद किया। साथ ही शहर के प्रमुख स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। इसमें उपस्थित लोगो को नाटक के माध्यम से महिला अपराधों के बारे में जानकारी दी और महिला सुरक्षा की जानकारी दी।

आयोजन में शपथ दिलवाई गई कि हमेशा नारी का सम्मान करेंगे और महिलाओं की उन्नति में बाधक समाज की कुरीतियों और कुविचारों को तोड़ेंगे। इस आयोजन पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) जगदीश डावर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (महिला सुरक्षा) प्रियंका डुडवे के मार्गदर्शन में एसआई शिवम ठक्कर, एएसआई गजेंद्र यादव की टीम शामिल थी।

इलेक्ट्रिक हार्डवेयर से भरा ट्रक लेकर भागने वाला ड्राइवर पकड़ाया

खरीदने वाले चार लोग भी धराएं

इंदौर 12 अक्टूबर पिछले दिनों बाणगंगा थाना क्षेत्र से लाखों रुपए का इलेक्ट्रिक हार्डवेयर सहित ट्रक लेकर फरार हुए आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से माल खरीदने वाले चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इलेक्ट्रिक हार्डवेयर के गवर्नमेंट सप्लायर अंकित कुमार निवासी विजयनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें बताया था कि सांवेर रोड पर क्वालिटी हार्डवेयर प्रोडक्ट कंपनी से उन्होंने गवर्नमेंट की पॉलिसी के चलते आरडीएसएस प्रोजेक्ट के तहत नरसिंहपुर और सतना में 20 लाख का माल भेजा था। ड्राइवर गणेश प्रसाद को भेजा था। 2 अक्टूबर को आखिरी बार ड्राइवर गणेश से बात हुई तो उसने बताया कि वह जगह पर पहुंचने वाला है। इसके बाद उसने मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। पुलिस ने ट्रक के फुटेज निकले तो वह सतना रोड पर ही मिला। पता चला कि उसका माल मोहसिन अजीज शुभम और प्रशांत ने खरीदा है जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर माल बरामद कर लिया है।

दामाद ने मदद के बहाने सास से किया रेप

वीडियो फोटो वायरल करने के नाम पर धमकाया

इंदौर 12 अक्टूबर रिश्ते को शर्मसार करने की घटना तिलक नगर थाना क्षेत्र में हुई। सास की रिपोर्ट पर पुलिस ने दामाद के खिलाफ रेप सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी महिला के जेठ का दामाद है। पीड़िता अपने बीमार पति के इलाज के लिए इंदौर जाती रहती थी इसी दौरान दामाद ने मदद के बहाने उसे होटल में ले जाकर रेप किया और फिर लगातार ब्लैकमेल करता रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 35 साल की महिला नए दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पति को गंभीर बीमारी थी। उनके बड़े अस्पताल में उपचार के दौरान 9 जनवरी 20 24 को मौत हो चुकी है। 2 साल पहले वह पति का उपचार करने बड़े अस्पताल आती रहती थी यहां काफी दिन रुकना होता था जब पति अस्पताल में भर्ती थे तो दामाद मिलने आता था। पीड़िता धार रोड के पास एक गांव में रहती है। पीड़िता ने बताया कि इंदौर आने पर दामाद ने कहा कि अपना आधार कार्ड साथ में ले लो। रुपए लेने चलना है इसके बाद वह अपने साथ स्कीम नंबर 140 में स्थित होटल में लेकर गया यहां पर कुछ देर रुकने की बात कही। जा धमका कर जबरदस्ती रेप किया। इस पर पीड़िता ने परिवार से बात करने की बात कही तो उसने फोटो उसके पास होने की बात कही। इसके बाद हर बार इंदौर जाकर संबंध बनाने की बात करने लगा। बदनामी ना हो इस डर से उसके साथ चली जाती उसने बिना मर्जी के कई बार रेप किया किसी बीच पति की मौत हो गई। पीड़िता ने दामाद से परेशान होने के बाद कहा कि यहां बात अपने जेठ को बताएगी। तब आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने इसकी शिकायत गांव के थाने में कर दी उन्होंने पूरी घटना तिलक नगर में होने के चलते वहां भेज दी।

पिछले अंक से जारी

सामूहिक आत्मसाक्षात्कार का प्रारंभ

पूजा करते हुए उन सबको आत्मासाक्षात्कार मिल गया और सब कह उठे अब यह सत्य है(श्री माताजी देवी है) । शीतल चैतन्य लहरियाँ उन्हे अफने हाथों पर महसूस हुई। आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति के सारे लक्ष्ण उनमें आरम्भ हो गए। उस समय मैं सभी कुछ बताना नहीं चाहती थी क्योंकि ऐसा कहने वाले बहुत से लोग कि मैं ये हूँ, मैं वो हूं। उस समय में इन सभी चीजों को एकदम से अनावृत नही करना चाहती थी। परन्तु शनैः शनैः मैने पाया कि लोग आकर्षित हुए हैं और मेरे कार्यक्रमों में आने लगे है।''

''दो वर्षों में केवल चौदह लोगों ने आत्मसाक्षात्कार लिया था, परन्तु इसके बाद धीरे-धीरे बहुत से लोग आत्मसाक्षात्कार लेने लगे। इसके साथ ही साथ मैंने लोगों की बीमारियाँ भी ठीक करनी शुरु कर दी थी। इससे बहुत लाभ हुआ।''

श्री माताजी सतत प्रयास करती रही-

5 मई 1970 को नारगोल के समुद्र तरट पर सहस्रार खोलने के पश्चात् श्री माताजी धीरे-धीरे एक एक करके अपने पास आने वाले साधकों की कुंडलिनी शक्ति जागृत करने लगी। वर्ष 19771 में उन्होंने मुंबई में चौपाटी स्थित भारतीय विद्याभवन की तीसरी मंजिल पर गीता भवन में पहला ध्यान केन्द्र स्थापित किया। वहाँ पर हर सप्ताह मंगलवार शाम 6.30 पर सभायें होती थी और जब भी श्री माताजी मुंबई में होती स्वयं इन सभाओं में उपस्थित होती । नवम्बर सन् 1970 को मुंबई के क्वास जी जहाँगीर हाल में सहजयोग का पहला जन कार्यक्रम आयोजित हुआ इसके बाद नारगोल से कुछ किलोमीटर दक्षिण में बोर्डी नामक स्थान पर सन् 1972 में चार दिन की संगोष्ठी हुई।

पहली पूजा महाराष्ट्र के एक गाँव में की गई औ दूसरी पूजा 1972-73 में श्री माताजी के घर जीवन-ज्योति बम्बई में हुई । दूसरी पूजा के पश्चात खीचें गए चित्रों का उपयोग सहजयोग के विज्ञापनों के लिए किया गया। समुद्र तट प भी श्री माताजी ने कई पूजायें करवाई। वे सहजयोगियों की एख श्रृंखला बनवा देती। किसी एक योगी के हाथ में वे अपना हाथ पकड़ा देती और बाकी लोग एक दूसरे का हाथ पकड़ लेते, इस प्रकार सबका शुद्धीकरण होता था। श्री माताजी के साथ सभी योगी के पानी में पैर डाल कर खड़े हो जाते और मंत्र कहते थे।

आरंभ के कई वर्षो तक श्री माताजी ने अपने प्रवचनों को रिकार्ड करने की अनुमति नही दी। वे स्वयं हमें आत्मसाक्षात्कार देती और आत्मसाक्षात्कारी लेने के लिए काफी लम्बा समय लगता था। धीरे-धीरे माताजी ने अपने गहन शोध से कई क्रिया-विधियाँ विकसित की और उनका प्रशिक्षण साधकों को दिया जैने कुंडलिनी उठाना, बंधन लेना, दाँये बाँये दोनो पक्षों को संतुलित करना । पहले साधक इन क्रियाओं का महत्व समझे बिना ही इन्हे करते थे।

इसीलिए बात में माताजी ने सार्वजनिक स्थानों पर बंधन लेने के लिए मना कर दिया था। पानी पैर क्रिया और जूता क्रिया आदि विधियाँ भी बहुत बाद में आई। श्री माताजी हमेशा यही कहा करती कि न तो किसी विधि को यंत्रवत करना चाहिए और न ही किसी विधि को अति में जाना चाहिए। सबसे अधिक आवश्यक ध्यान-धारणा है अधिक से अधिक अपना चित्त वहीं रखना चाहिए।

''सहजयोगी अपने घरों में छोटी-छोटी सभाओं का आयोजन करते जहाँ श्री माताजी आत्मसाक्षात्कार प्रदान करती। अपने विषय में वे बहुत कम बताती परन्तु जिज्ञासुओं के चक्रों को स्थापित करने के लिए अथक घंटों तक कार्य करती।

शनैः शनैः उन्होंने सार्वजनिक कार्यक्रमों में सामूहिक साक्षात्कार देना शुरु किया। सहजयोगियों की संख्यो कुछ सौ तक पहुँच गई और दिल्ली तथा मुम्बई में सहजयोग केन्द्र स्थापित हो गए। श्री माताजी संख्या की अपेक्षा साधकों की योग्यता पर अधिक ध्यान देती। आत्मसाक्षात्कार प्रदान करने के लिए बिना अपने खर्च करते हुए उन्होंने सहज योग आरंभ किया...

(शेष अगले अंक में)

करवाचौथ का व्रत कब ? जानें सही तारीख और महत्व

करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए रखती हैं। करवाचौथ का व्रत निर्जला रखा जाता है और रात के समय चांद देखकर ही इस व्रत का पारण किया जाता है। करवाचौथ का व्रथ कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन रखा जाता है। आइए जानते हैं इस बार कब रखा जाएगा करवाचौथ का व्रत।

करवा चौथ का व्रत सुहागन महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु की कामना करके रखती है। करवा चौथ व्रत की परंपरा सदियों पुरानी है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से पति पत्नी के रिश्ते मजबूत होते हैं। करवा चौथ का व्रत हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन रखा जाता है। आइए जानते हैं इस बार करवा चौथ का व्रत कब रखा जाएगा।

कब है करवा चौथ का व्रत

कार्तिक माह की चतुर्थी तिथि का आरंभ 19 अक्टूबर को शाम में 6 बजकर 17 मिनट पर होगा और 20 अक्टूबर को दोपहर में 3 बजकर 47 मिनट तक चतुर्थी तिथि रहेगी। उदया काल में चतुर्थी तिथि 20 अक्टूबर को रहेगी। इसलिए करवा चौथ का व्रत 20 अक्टूबर को ही रखा जाएगा

करवा चौथ का व्रत का महत्व

मान्यताओं के अनुसार, करवाचौथ का व्रत सभी सुहागन महिलाएं निर्जला रहकर अपनी पति की लंबी आयु की कामना के लिए रखती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को माता पार्वती ने भी भगवान शिव के लिए रखा था। एक अन्य मान्यता के अनुसार, एक बार जब देवताओं का राक्षसों के साथ युद्ध चल रहा था तो उस समय सभी राक्षस देवताओं पर भारी पड़ रहे थे। तो सभी देवी ब्रह्मदेव के पास पहुंचते हैं और उन्हें सारी बात बताई और उनसे कहा कि वह अपनी पतियों की रक्षा के लिए क्या कर सकती हैं। तब ब्रह्मदेव ने उन्हें करवा चौथ का व्रत रखने का सुझाव दिया ब्रह्मदेव के बताए अनुसार, सभी महिलाओं ने करवा चौथ का व्रत रखा जिस वजह से देवताओं की रक्षा हो सकी। तभी से करवा चौथ का व्रत रखने की परंपरा चली आ रही है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, करवाचौथ के दिन चंद्रमा से अमृत की वर्षा होती है। इसलिए सुहागिन महिलाएं चंद्रमा से अपनी पति की सुख समृद्धि और लंबी आयु की कामना करते हुए चंद्रमा का पूजन करती हैं।

आपके आचरण मात्र से भी शांत हो सकते हैं ग्रह, मिलेगा शुभ प्रभाव

अनिष्ट ग्रहों की शांति के लिए जरूरी नहीं है कि आप कठिन मंत्रों का जाप, महंगे रत्न धारण, लाल किताब के टोटके एवं उपाय, ग्रहों का दान इत्यादि ही करें। क्या आपको पता है, आप अपने आचरण एवं व्यवहार में सुधार करके भी ग्रह, नक्षत्रों को अपने अनुकूल बना सकते हैं।

हम सभी जानते हैं कि जैसे मनुष्य कर्म करता है, उसको उसी प्रकार का फल प्राप्त होता है। कर्म फल भी रूप परिवर्तित कर व्यक्ति को देर-सवेर सुख-दुख के रूप में प्राप्त होता है। विज्ञान की भाषा में जिस प्रकार पदार्थ कभी नष्ट नहीं होता है, उसका केवल रूप बदल जाता है, उसी प्रकार किया गया कर्म भी कभी निष्फल नहीं होता है। अपने पूर्व जन्मों में किए गए पापों से रुष्ट ग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ, रत्न धारण आदि का विधान प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है। अनुभव में आया है कि यदि हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित करें, तो ग्रह अति शीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं।

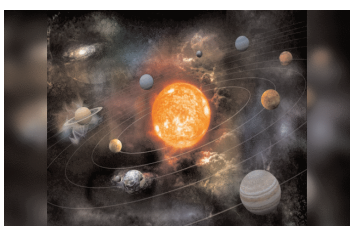

धर्मशास्त्रों में सफलता के सूत्र, संकेतों के रूप में रहते हैं। मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, गुरु देवो भव, अतिथि देवो भव, वेद वाणी है। इसी प्रकार शास्त्र कहता है, मात्र प्रणाम करने से, सदाचार के पालन से एवं नित्य वृद्धों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश व बल की वृद्धि होती है। यदि हम जीवों के प्रति परोपकार की भावना रखें, तो अपनी कुण्डली में रुष्ट ग्रहों की रुष्टता को न्यूनतम कर सकते हैं। हर व्यक्ति पर किसी न किसी ग्रह का अपना एक विशेष प्रभाव रहता है, इस प्रकार का विशेष प्रभाव उसके आचार-विचार, व्यवहार व जीवन की कुछ विशेष व प्रमुख घटनाओं के माध्यम से प्रकट होता है। नौ ग्रह इस चराचर जगत में पदार्थ, वनस्पति, तत्व, पशु-पक्षी इत्यादि सबमें अपना प्रतिनिधित्व समाहित रखते हैं। इसी तरह ऋषि, महर्षियों ने पारिवारिक सदस्यों और आसपास के लोगों में भी ग्रहों का प्रतिनिधित्व बताया है।

सूर्य आत्मा के साथ-साथ पिता का प्रतिनिधित्व करता है और चंद्रमा मन के साथ-साथ माता का, मंगल पराक्रम के साथ-साथ छोटे भाइयों का, शनि दुःख के साथ सेवक का, बृहस्पति ज्ञान के साथ गुरू एवं बड़े भाई तथा उनके समकक्ष लोगों का, बुध वाणी के साथ-साथ मामा का, शुक्र ऐश्वर्य के साथ जीवनसाथी का कारक है। इसे ऐसे भी समझा जा सकता है, कि जीवनसाथी को कष्ट देने पर शुक्र प्राकृतिक तौर पर निर्बल होने लगता है, जिसके कारण व्यक्ति का ऐश्वर्य कम हो जाता है।

यदि सूर्य ग्रह रुष्ट है तो पिता को प्रसन्न करें, चंद्र पीड़ादायक हो तो माता अथवा माता समान स्त्रियों को प्रसन्न करें, मंगल कष्टकारी है तो छोटे भाई व बहन को प्रसन्न करें, बुध पीड़ादायक है तो मामा एवं बंधुओं को प्रसन्न करें, बृहस्पति रुष्ट है तो गुरुजन एवं वृद्धों को प्रसन्न करें, शुक्र रुष्ट है तो पत्नी को प्रसन्न करें, शनि कष्ट दे रहा हो तो दास-दासी को प्रसन्न करें, राहु कष्टकारी है तो अंगहीन को प्रसन्न करें और यदि केतु अप्रसन्न है तो दीन-हीन, रोगी की सहायता करें। यदि हम प्रेम, सत्कार व आदर का भाव रखकर ग्रहों के प्रतिनिधि के साथ उचित व्यवहार करें तो निश्चित ही रुष्ट ग्रह अपनी कोपता को त्याग कर शांत होंगें। अनुभव में आया है कि यदि ग्रह के प्रतिनिधि जीवों से संबंध खराब हों तो उपासना, पूजन, जप-तप और दान सब कुछ निष्फल ही रहते हैं।

रजनीकांत की नई फिल्म ने दी इंडियन 2 और रायन को टक्कर, बनी 2024 की दूसरी सबसे बड़ी कॉलीवुड फिल्म

रजनीकांत की वेट्टैयन ने 4 दिन के लंबे वीकेंड में 190.08 करोड़ की वर्ल्डवाइड कमाई की, जिससे यह 2024 की दूसरी सबसे बड़ी कॉलीवुड फिल्म बन गई है. वेट्टैयन ने इंडियन 2 और रायन की कमाई को पीछे छोड़ दिया है.

रजनीकांत की नई फिल्म वेट्टैयन ने 4 दिन के लंबे वीकेंड में दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है. हालांकि फिल्म का बजट बहुत बड़ा था और उससे थोड़ी कम कमाई हुई है, फिर भी वेट्टैयन ने अब तक की अच्छी कमाई कर ली है. इसने 2024 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कॉलीवुड फिल्म का खिताब अपने नाम कर लिया है. इससे पहले थलपथी विजय की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही है. चलिए, विस्तार से जानते हैं कि वेट्टैयन ने कितनी कमाई की है.

शानदार ओपनिंग वीकेंड की शुरुआत

फिल्म की शुरुआत शानदार रही. पहले दिन यानी वीकेंड के पहले दिन 32 करोड़ की कमाई हुई, लेकिन दूसरे दिन थोड़ी गिरावट आई और कमाई घटकर 24 करोड़ हो गई. तीसरे दिन फिर से उछाल आया और 27 करोड़ की कमाई हुई. चौथे दिन यानी रविवार को, संडे कर्स ने असर डाला और नाइट शोज में ऑक्यूपेंसी थोड़ी कम हो गई, जिससे 23 करोड़ की कमाई हुई.

भारत में कमाई का आंकड़ा

चार दिनों के लंबे वीकेंड के बाद वेट्टैयन ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 106 करोड़ नेट की कमाई की है. टैक्स के साथ कुल घरेलू कलेक्शन 125.08 करोड़ हो गया है. हालांकि यह एक अच्छा स्कोर है, लेकिन रजनीकांत की फिल्म से इससे ज्यादा उम्मीद की जा रही थी.

ओवरसीज में कैसा रहा प्रदर्शन?

ओवरसीज यानी विदेशों में, वेट्टैयन ने ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है. फिल्म ने 65 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया, लेकिन यहां भी ज्यादा की उम्मीद थी. फिर भी कुल मिलाकर फिल्म ने अच्छा किया है. अगर भारत के ग्रॉस और ओवरसीज के कलेक्शन को मिला दें, तो फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 190.08 करोड़ हो जाती है. इसने कामल हसन की इंडियन 2 (150.94 करोड़) और धनुष की रायन(155.92 करोड़) की लाइफटाइम कमाई को पीछे छोड़ दिया है और इस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कॉलीवुड फिल्म बन गई है.

रजनीकांत का जलवा बरकरार, पर क्या उम्मीदें पूरी हुईं?

हालांकि फिल्म ने अच्छी शुरुआत की है, लेकिन रजनीकांत की स्टार पावर और फिल्म के बड़े बजट को देखते हुए और भी ज्यादा की उम्मीद थी. इसके बावजूद, यह फिल्म 2024 की दूसरी सबसे बड़ी कॉलीवुड हिट बन गई है.

ट्रेलर में दिखा था दम, अब असल में कैसा है हाल?

जब वेट्टैयन का ट्रेलर आया था, तब दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं. फिल्म ने इन उम्मीदों पर काफी हद तक खरा उतरा है, लेकिन फिर भी कुछ जगहों पर परफॉर्मेंस और ऑक्यूपेंसी कम रही.

तेरे जैसा यार कहां... हेड कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली को किया डिफेंड, आलोचकों को लिया आड़े हाथ

भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली के फॉर्म पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि कोहली विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं और उनकी रनों की भूख अब भी बरकरार है। गंभीर ने हर मैच के बाद आकलन को गलत कहा।

बेंगलुरु भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले कुछ अर्से में विराट कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा है कि इस स्टार बल्लेबाज में रनों की उतनी ही भूख है जितनी डेब्यू के समय थी। लिहाजा हर मैच के बाद आकलन करना सही नहीं है। कोहली ने पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक (सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में 76 रन) लगाया। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले उनका फॉर्म में लौटना जरूरी है। चूंकि इसके बाद भारतीय टीम को पांच टेस्ट के दौरे के लिये ऑस्ट्रेलिया जाना है।

गंभीर ने विराट कोहली को लेकर क्या कहा?

गौतम गंभीर ने पत्रकारों से कहा ,'विराट को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है। उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी डेब्यू के समय थी ।' उन्होंने कहा ,'यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह इस सीरीज और ऑस्ट्रेलिया में भी रन बनायेगा।'

गंभीर ने कहा कि किसी खिलाड़ी का आकलन एक खराब मैच या सीरीज के आधार पर नहीं किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा ,'हर मैच के बाद आकलन सही नहीं है। अगर आप हर मैच के बाद ऐसा करने लगे तो यह उनके लिये सही नहीं होगा। यह खेल है और विफलता का सामना करना ही होता है। अगर हमें नतीजे अनुकूल मिल रहे हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है ।'

उन्होंने कहा ,'रोज कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। हमारा काम खिलाड़ियों का समर्थन करते रहना है। मेरा काम सर्वश्रेष्ठ 11 का चयन करना है , किसी को बाहर करना नहीं। हमें आठ टेस्ट लगातार खेलने हैं और सभी की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर है।'

हरमनप्रीत के प्रयासों पर फिरा पानी

भारत के तीन विकेट 47 रनों पर गिर जाने के बाद हरमनप्रीत कौर ने दीप्ति शर्मा के साथ मोर्चा संभाला और 55 गेंदों में 63 रन की साझेदारी निभाकर भारत की संघर्ष में वापसी तो करा दी. पर इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज़ों ने कसी गेंदबाज़ी करके और उम्दा क्षेत्ररक्षण से रनों पर अंकुश लगाकर भारत पर रन गति का दबाव बना दिया.

इस दबाव में दीप्ति शर्मा के आउट होने के बाद भी हरमनप्रीत अकेले दम पर संघर्ष करती रहीं और उन्होंने कुछ अच्छे शॉट खेलकर बाज़ी को अपने पक्ष में करने का प्रयास किया. पर दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल पाने से भारत पर दबाव बढ़ता चला गया और टीम इस दबाव में बिखर गई.

हरमनप्रीत लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक जमाने में सफल रहीं. उन्होंने 18वें ओवर में गार्डनर पर दो चौकों से 12 रन और फिर 19वें ओवर में सोफी मोलिन्यू पर दो चौकों से 14 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा करके जीत की उम्मीदों को बनाए रखा.लेकिन आख़िरी ओवर में कमज़ोर प्रदर्शन ने जीत को हाथ से निकाल दिया. सही मायनों में भारत के यह विकेट गिरने की वजह खिलाड़ियों का खुद पर भरोसा नहीं होना था.

शिवराज की सीट पर 3 दावेदार

विजयपुर में सिंगल नाम-विधानसभा उपचुनाव के प्रत्याशी चयन में जुटी भाजपा; वीडी बोले-दिल्ली भेजेंगे नाम

मध्यप्रदेश में आने वाले दिनों में दो विधानसभा सीटों बुधनी और विजयपुर में उपचुनाव होना है। हालांकि अभी तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। इसके पहले ही बीजेपी ने दोनों ही सीटों के लिए प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया और जीत की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। इसे लेकर भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी की प्रदेश चुनाव समिति की बैठक हुई। बताया जा रहा है कि इस बैठक में श्योपुर जिले की विजयपुर सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी के रूप में रामनिवास रावत के सिंगल नाम का पैनल तैयार हुआ है। वहीं, सीहोर जिले की बुधनी सीट पर पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव, रघुनाथ सिंह भाटी और रवि मालवीय के नामों का पैनल तैयार किया गया। प्रदेश चुनाव समिति दोनों सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का पैनल केंद्रीय चुनाव समिति को भेज रही है। दिल्ली से दोनों सीटों के उम्मीदवारों के नाम घोषित होंगे।

इसलिए खाली हुई विजयपुर और बुधनी विधानसभा सीट

बता दें कि श्योपुर सीट से विधायक रामनिवास रावत कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद से श्योपुर सीट खाली हो गई थी। वहीं बुधनी से विधायक रहे शिवराज सिंह चौहान ने केंद्र में मंत्री बनाए जाने के बाद विधायकी से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद से बुधनी सीट खाली हुई है।

वीडी शर्मा बोले- पैनल बनाकर आज ही केन्द्रीय नेतृत्व को भेज रहे बैठक के बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा-

विजयपुर और बुधनी विधानसभा सीटों पर आगामी समय में उपचुनाव होने हैं। इस पर समिति ने पूरी चर्चा की है। समिति में जो सुझाव आए हैं उनके आधार पर पैनल बनाकर केन्द्रीय नेतृत्व को आज ही भेज रहे हैं।

वीडी शर्मा ने कहा- भाजपा के संगठन पर्व में सदस्यता अभियान के दूसरे चरण का 15 तारीख को समापन है। लक्ष्य को हासिल करने के लिए आज और कल का दिन हमारे पास है। उसमें मध्यप्रदेश की भाजपा देश में इतिहास बनाने जा रही है। इसके बाद सक्रिय सदस्यता अभियान होगा। उसके साथ ही सभी बूथों पर सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे। फिर संगठन का चुनावी अभियान शुरू हो जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी रहे बैठक में मौजूद

भाजपा कार्यालय में हुई प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, संसदीय बोर्ड के सदस्य सत्यनारायण जटिया, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री प्रहलाद पटेल, नरोत्तम मिश्रा, सांसद गजेंद्र पटेल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया, मंत्री राकेश सिंह, पूर्व मंत्री रामपाल सिंह मौजूद रहे।

बुधनी के मंडल अध्यक्षों ने कार्तिकेय को लड़ाने लिखा लेटर

सूत्र बताते हैं कि चार दिन पहले बुधनी विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्षों ने लेटर लिखकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान को चुनाव लड़ाने की मांग की है। हालांकि, शिवराज सिंह चौहान ने फैसला पार्टी पर छोड़ रखा है। बुधनी से चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं से भी शिवराज यह साफ कह चुके हैं कि पार्टी नेतृत्व उम्मीदवार के नाम पर निर्णय लेगा।

बुधनी में भी रमाकांत भार्गव का नाम लगभग तय

सूत्र बताते हैं कि बुधनी विधानसभा सीट पर पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। लोकसभा चुनाव में रमाकांत भार्गव का टिकट काटकर शिवराज सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया गया था। ऐसे में रमाकांत भार्गव को बुधनी से उतारकर शिवराज उन्हें रिटर्न गिफ्ट भी दे सकते हैं। हालांकि, औपचारिक तौर पर उम्मीदवार की घोषणा दिल्ली से ही होगी।

इंदौर मेट्रो को अब तक 16 में से 9 कोच

5.5 किमी प्रायोरिटी कॉरिडोर पर जनवरी से व्यवसायिक संचालन की तैयारी, रात में ट्रायल जारी

इंदौर में मेट्रो का काम 24 घंटे चल रहा है। शासन इंदौर में 5.5 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर जनवरी से व्यवसायिक संचालन शुरू करने की तैयारी कर रहा है। जिसको लेकर तेजी से काम किया जा रहा है। वहीं इंदौर को मेट्रो के 16 कोच मिलना है, जिसमें से 9 कोच इंदौर को मिल चुके है। बताया जा रहा है कि शेष कोच भी जल्द ही इंदौर को मिल जाएंगे। वर्तमान में जो 9 कोच इंदौर आ गए है, उन्हें गांधी नगर में बने मेट्रो डिपो में खड़ा किया गया है।

रात में मेट्रो का ट्रायल भी चल रहा

मेट्रो कॉर्पोरेशन से मिली जानकारी के अनुसार फिलहाल प्रायोरिटी कॉरिडोर पर रात में मेट्रो को चलाकर ट्रायल किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सिक्योरिटी के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण परीक्षण किए जा रहे है, जो आगे भी किए जाने है। वहीं रेलवे कमिश्नर की टीम भी इसका अवलोकन करने आने वाली है। साढ़े 5 किलोमीटर से अधिक के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर अगले साल की शुरुआत में व्यवसायिक संचालन शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके चलते इस हिस्से में सभी स्टेशन निर्मित होंगे। साथ ही बचे हुए सारे कार्य साल के अंत तक पूरे किए जाएंगे। यही कारण है कि अभी रात में ट्रायल रन भी चल रहा है।

इंदौर-उज्जैन के लिए मेट्रो के कोच 3248 करोड़ के

इंदौर-उज्जैन मेट्रो के लिए जो कोच आ रहे हैं, मेट्रो कॉर्पोरेशन ने उसका टेंडर 3248 करोड़ में एल्स्टॉम इंडिया को दिया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इन मॉडर्न कोच का निर्माण कम्पनी के बड़ौदा के पास स्थित प्लांट में हो रहा हैं। कॉर्पोरेशन के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर मेट्रो को 25 कोच, तो भोपाल को 27 कोच मिलना है, जिनमें से अब तक इंदौर को 9, तो भोपाल को 7 कोच मिल चुके हैं। वहीं इंदौर मेट्रो के लिए 16 कोच अभी आना बाकी है।

3 कोच के एक सेट से किया जा रहा ट्रायल

इंदौर में अभी 9 मेट्रो ट्रेन के सेट आए है, जिनमें 27 कोच हैं। सभी गांधी नगर के डिपो पर खड़े हैं। इन्हीं कोच में से 3 कोच के एक सेट को ट्रायल में इस्तेमाल किया जा रहा है। मेट्रो के एक सेट में 3-3 डिब्बे रहेंगे। यानी 25 मेट्रो ट्रेन में 75 डिब्बे जुड़े रहेंगे, जो अभी बन रहे पहले चरण के एलिवेटेड और अंडरग्राउंड ट्रैक पर एयरपोर्ट से एयरपोर्ट तक दौड़ेंगे। इसकी कुल लम्बाई लगभग 32 किलोमीटर रहेगी। 16 मेट्रो स्टेशनों का काम चल रहा है, जिनमें से 5 स्टेशन पर सिग्नल भी लगाए जा चुके हैं।

इंदौर के सराफा, क्लॉथ मार्केट में 31 को दिवाली-मुहूर्त के सौदे 4 नवंबर को; धन तेरस और पुष्य नक्षत्र भी दो दिन

इस साल दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जाए या 1 नवंबर को, इस पर मध्यप्रदेश के ज्योतिषाचार्य और पंचागकर्ता एकमत नहीं हो पा रहे हैं। इंदौर में ज्योतिष और विद्वत परिषद ने 1 नवंबर की तारीख तय की है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि शास्त्रों के आधार पर दिवाली 31 अक्टूबर को ही मनाना सही है। भोपाल के ज्योतिषियों का भी कहना है कि 31 अक्टूबर को ही दिवाली मनाई जा सकती है। 31 अक्टूबर को अमावस्या तिथि शाम 4:30 बजे से शुरू होकर अगले दिन यानी 1 नवंबर को दोपहर 3:30 बजे तक रहेगी। अमावस्या खत्म होने के बाद इसे नहीं मनाया जाना चाहिए।वहीं, प्रदेश के अधिकतर व्यापारी संगठन 31 अक्टूबर को दिवाली मनाने की बात कह रहे हैं। 1 नवंबर को दीपोत्सव मनाने के पक्ष में कम ही कारोबारी है। हालांकि, बही खातों के पूजन का मुहूर्त दोनों दिन है। धन तेरस भी दो दिन मनाई जाएगी। पुष्य नक्षत्र के भी दो दिन मुहूर्त हैं। मध्यप्रदेश के साथ ही दिल्ली, गुजरात समेत ज्यादातर राज्यों में सरकारी अवकाश 31 अक्टूबर को ही है। बैंकों में भी इसी दिन छुट्टी रहेगी।

इंदौर को मिली 4 नए फ्लाई ओवर की सौगात-रिंग रोड, एबी रोड व उज्जैन रोड पर 7 लाख वाहनों का सफर आसान होगा

ऐसा पहली बार होगा, जब सोमवार (14 अक्टूबर) को 4 फ्लाई ओवर एक साथ शुरू हुए। इनमें 2 फ्लाई ओवर की एक-एक लेन, जबकि 2 फ्लाई ओवर पूरी तरह ट्रैफिक के लिए खुलेंगे। चारों ब्रिज के शुरू होने से एबी रोड, पूर्वी व पश्चिमी रिंग रोड और इंदौर-उज्जैन रोड पर हर दिन 7 लाख वाहनों का आवागमन सुगम होगा। फूटी कोठी और भंवरकुआं ब्रिज की दोनों लेन शुरू होंगी। खजराना और लवकुश चौराहा की एक-एक लेन शुरू कर दी जाएगी। इन दोनों ब्रिज की बाकी दोनों लेन दिसंबर, जनवरी तक शुरू हो जाएंगी। वर्ष 2026 तक शहर को 9 ब्रिज की सौगात और मिलेगी।

खजराना और फूटी कोठी ब्रिज-फरवरी 2023 में बनना शुरू हुए थे दोनों 62-2 लाख वाहनों को दोनों ब्रिज से राहत

रिंग रोड पर मूसाखेड़ी से रोबोट तक सिग्नल फ्री सफर- पूर्वी रिंग रोड पर आईटी पार्क चौराहा से रोबोट चौराहा तक करीब 7 किलोमीटर में सिर्फ मूसाखेड़ी चौराहा ही ऐसा है, जहां वाहनों को सिग्नल मिलेंगे। 7 किमी का यह सफर 10 से 15 मिनट में पूरा होगा। वहीं फूटी कोठी चौराहा पर पश्चिमी रिंग रोड पर बने फ्लाई ओवर से द्वारकापुरी, सुदामा नगर ई सेक्टर, केट रोड, सुखनिवास सहित 20 से अधिक कॉलोनियों को राहत मिलेगी। चंदन नगर से आने वाले वाहन ब्रिज से होते हुए सीधे गोपुर चौराहा पर जाकर ही रुकेंगे।

भंवरकुआं ब्रिज-2023 फरवरी में बनना शुरू ,02 लाख वाहनों को राहत मिलेगी

खंडवा रोड पर ग्राम दतोदा, सिमरोल तक टाउनशिप कट चुकी हैं। रोजाना सुबह 9 से 12 और शाम 5 से रात 9 बजे तक 1 लाख से अधिक वाहन भंवरकुआं चौराहा से गुजरते हैं। राजीव प्रतिमा से नौलखा जाने वालों की संख्या भी 1 लाख है। बीआरटीएस पर इस पहले ब्रिज के शुरू हो जाने से ट्रैफिक लोड कम होगा। राजीव प्रतिमा से नौलखा तक 2.7 किमी से ज्यादा का सफर 5 मिनट में पूरा हो जाएगा।

लवकुश फ्लाई ओवर-2023 फरवरी में बनना शुरू हुआ ,01 लाख वाहनों को राहत मिलेगी

इंदौर-उज्जैन रोड पर ट्रैफिक दबाव कम होगा- इंदौर-उज्जैन रोड पर हर दिन करीब 1 लाख वाहनों का बोझ है। त्योहार या खास मौकों पर महाकाल दर्शन के चलते यह बढ़कर डेढ़ लाख वाहनों तक पहुंच जाता है। लवकुश फ्लायओ?वर की एक लेन शुरू होने से इंदौर-उज्जैन रोड पर अभी हर दिन 1 लाख वाहनों की राह आसान होगी।

इंदौर में एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की फिर मांग उठी-सज्जन सिंह वर्मा ने गडकरी को लिखा पत्र, कहा- CM के निर्णय पर पुन: विचार हो

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने केंद्रीय भूतल व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से इंदौर में एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की मांग की है। उन्होंने सोमवार को लिखे पत्र में कहा है कि शहर के एलिवेटेड कॉरिडोर को निरस्त कर 7 ओवर ब्रिज बनाने का निर्णय अव्यवहारिक है। मुख्यमंत्री मोहन यादव को इस पर पुन: विचार करना चाहिए। वर्मा ने पत्र की एक प्रतिलिपि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी भेजी है।

पत्र में लिखा है- एलआईजी से नौलखा चौराहे तक एलिवेटेड ब्रिज की स्वीकृति के लिए आपका प्रयास काबिल-ए-तारीफ रहा था। इस ब्रिज के बनने से शहर को यातायात के दबाव से मुक्ति मिलती। जिसे लेकर बकायदा फिजिकली सर्वे भी किया था। इंदौर के एलिवेटेड ब्रिज के टेंडर बेहद पारदर्शी तरीके से हुए थे।

यह टेंडर उत्तरप्रदेश सरकार की इकाई ब्रिज कार्पोरेशन को मिला था। इसमें भ्रष्टाचार की कोई गुजाइश नहीं थी। इस एलिवेटेड ब्रिज को लेकर टेंडर होने के बाद इसका काम भी प्रारंभ हो चुका था।

इंजीनियरों ने मंत्री विजयवर्गीय को दी थी एक रिपोर्ट-मामले में इंदौर के इंजीनियरों ने एक रिपोर्ट बनाकर मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भी दी है। जिसमें उन्होंने ओवरब्रिजों के निर्माण को पूरी तरह अव्यवहारिक बताते हुए यह भी बताया कि यह सभी ओवरब्रिज ओवर लेप हो जाएंगे, साथ ही निकलने के लिए सर्विस रोड भी नहीं मिल पाएगी। यह योजना कांग्रेस के कार्यकाल में मेरे द्वारा स्वीकृत की गई थी।

मध्यप्रदेश को लेकर आपकी व्यापक और सार्थक सोच की वजह से ही आपने इंदौर को एलिवेटेड पुल की सौगात मात्र 7 मिनट में ही दे दी थी। इसी के साथ जबलपुर, भोपाल, देवास के एलिवेटेड ब्रिज बनकर तैयार हैं।

एमपी सरकार को 35 करोड़ का नुकसान-जबलपुर के एलिवेटेड पुल का भूमि पूजन आपके और मैंने किया था। वह भी बनकर तैयार हो चुका है। इंदौर का एलिवेटेड पुल का ठेका निरस्त होता है तो मध्यप्रदेश सरकार को 35 करोड़ रुपए से ज्यादा का राजस्व नुकसान भी होगा और इंदौर शहर विकास की रफ्तार से फिर 5 साल पीछे चला जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)